कंचन कुमारी
अतिथि, शिक्षक, हिन्दी
भू. ओ. आर. कॉलेज, रोसड़ा

बी.ए. स्नातक, हिन्दी, प्रतिष्ठा
पार्ट III

'नदी के द्वीप' कविता की विशेषताएँ बताएँ।

'नदी के द्वीप' शीर्षक कविता जीवन की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है। व्यष्टि और समष्टि का सम्बन्ध निरूपण ही कवि का लक्ष्य है। वह मानव समाज का आमित्र होता है। व्यक्तिवाद और अस्तित्ववाद का समर्थन ध्वनि इस कविता का व्यंग्यार्थ है।

हा० सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' आधुनिक हिन्दी-साहित्य का प्रमुख प्रवृत्ति प्रयोगवाद के पुरोधा कवि है। कविता नव प्रयोग और नम प्रतिमान के गढ़ने में उनकी काव्य विलक्षणता अद्वितीय है। समस्त भारतीय साहित्य में उनका विरल व्यक्तित्व आकर्षक है। उनकी विलक्षणता अद्वितीय है। समस्त भारतीय साहित्य में उनका विरल व्यक्ति आकर्षक है। उनकी संवेदना शक्ति और उनकी प्रयोगधर्मी प्रतिभा हिन्दी-साहित्य में बहुचर्चित है। प्रस्तुत कविता में कवि ने गहरे जीवन-दर्शन के परिप्रेक्ष्य में व्यष्टि और समष्टि के तादात्म्य सम्बन्ध को विचारा है व्यक्ति में समाज निहित होता है और व्यक्ति समाज की पृष्ठभूमि पर जन्म ग्रहण करता है द्वीप और धारा की तात्विक परम्परा ही इस कविता का वर्ण्य-विषय है। इस व्यक्तिवाद का पोषण और अस्तित्ववाद का समर्थन हुआ है नदी का द्वीप यह स्वीकारता है कि प्रवहमान धारा ही

ही उसके व्यक्तित्व को गढ़ती है वही उसे आकार देती है। वह उसे कोण, गोलाई, अन्तरीप आदि रूपों में गढ़ती है। द्वीप का अस्तित्व उसकी स्थिरता में ही है।